

कड़ी सुरक्षा के बीच सब इंस्पेक्टर भर्ती-2025 की परीक्षाएं शुरू

प्रदेश के 41 शहरों में 7 लाख अभ्यर्थी इस परीक्षा में शामिल होंगे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सब इंस्पेक्टर (एसआई) भर्ती-2025 की दो दिवसीय लिखित परीक्षा रविवार से प्रदेशभर में शुरू हो गई। परीक्षा 41 शहरों के 1174 केंद्रों पर आयोजित हो रही है, जिसमें 1015 पदों के लिए 7 लाख से अधिक अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। परीक्षा दो-दो पारियों में आयोजित की जा रही है। रविवार को पहली पारी सुबह 11 से 1 बजे तक सामान्य हिंदी और दूसरी पारी दोपहर 3 से 5 बजे तक सामान्य ज्ञान एवं सामान्य विज्ञान की परीक्षा हुई। यही क्रम 6 अप्रैल को भी जारी रहेगा।

तीन स्तरीय जांच व तकनीकी निगरानी

परीक्षा की पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए राजस्थान पुलिस स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप ने इस बार विशेष सख्ती बरती है। एसओजी के एडीजी विशाल बंसल के अनुसार नकल और पेपर लीक पर रोक लगाने के लिए पहली बार व्यापक स्तर पर तकनीकी निगरानी लागू की गई है। इस तहत सभी जिलों में परीक्षा केंद्रों के आसपास के मोबाइल टावरों का टावर डम्प डाटा लिया जा रहा है, जिससे संदिग्ध गतिविधियों की पहचान कर त्वरित कार्रवाई की जा सके। साथ ही एसओजी की विशेष टीमों विभिन्न जिलों में



सब इंस्पेक्टर भर्ती-2025 की दो दिवसीय लिखित परीक्षा के पहले दिन रविवार को परीक्षा केंद्रों पर युवाओं की गहन तलाशी ली गई।

तैनात कर स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय में लगातार निगरानी कर रही है।

हर गतिविधि पर पुलिस प्रशासन की कड़ी नजर

हर परीक्षा केंद्र पर त्रिस्तरीय जांच, मेटल डिटेक्टर से फ्रिस्कंग और अनिवार्य

वीडियोग्राफी की व्यवस्था की गई है। केंद्रों के बाहर सादे बस्त्रों में पुलिसकर्मी तैनात हैं, जबकि प्रत्येक कक्ष में दीवार घड़ी लगाना अनिवार्य किया गया है। अभ्यर्थियों और स्टाफ के लिए मोबाइल फोन पूरी तरह प्रतिबंधित हैं। प्रवेश से पहले आधार कार्ड या फोटोयुक्त पहचान पत्र से पहचान मिलान और हैंड मेटल डिटेक्टर से जांच की जा रही है। बिना स्पष्ट

पहचान पत्र के किसी को प्रवेश नहीं दिया जा रहा।

पहचान पत्र के किसी को प्रवेश नहीं दिया जा रहा।

ड्रेस कोड सख्त, कई वस्तुओं पर प्रतिबंध

आयोग ने अभ्यर्थियों के लिए सख्त ड्रेस कोड लागू किया है। पुरुष अभ्यर्थियों को आधी आस्तीन के कपड़े और चप्पल/स्लीपर में आने की अनुमति है, जबकि महिलाओं को सलवार सूट या साड़ी के साथ साधारण वेश में आने के निर्देश दिए गए हैं। जूते, पूरी आस्तीन के कपड़े, घड़ी, बेल्ट, हैंडबैग, स्कार्फ, टोपी, चश्मा और तांबोज आदि पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है।

100 मीटर दायरे में साइबर कैफे बंद

परीक्षा के दौरान केंद्रों के 100 मीटर दायरे में साइबर कैफे और ई-मित्र केंद्र बंद रखने के निर्देश दिए गए हैं। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर भी पूरी तरह रोक लगाई गई है। आयोग के वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में फ्लाइंग स्क्वाड और पर्यवेक्षक लगातार केंद्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा की निष्पक्षता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और कदाचार में लिप्त पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ देश सेवा करने वाला राजनैतिक दल : राठौड़

स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर भाजपा कार्यालय में आतिशबाजी और दीपोत्सव



भाजपा के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर प्रदेश कार्यालय में दीपोत्सव, आकर्षक रोशनी एवं भव्य आतिशबाजी की गई।

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में दीपोत्सव, आकर्षक रोशनी एवं भव्य आतिशबाजी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा द्वारा सुंदर रंगोली सजाई गई तथा कार्यालय परिसर को दीप जलाकर रोशन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कार्यक्रमों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि 6 अप्रैल 1980 को लगाया गया भाजपा रूपी पौधा आज एक विशाल वटवृक्ष बन चुका है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी अन्य दलों से भिन्न है और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ देश सेवा में समर्पित

होकर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी आज न केवल भारत बल्कि विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन चुकी है और इसकी विचारधारा से प्रेरित होकर लगातार नए कार्यकर्ता जुड़ रहे हैं। मदन राठौड़ ने कहा कि राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य में विकास के नए आयाम स्थापित किए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा देश और प्रदेश को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं तथा जनसेवा के लिए पूर्ण समर्पण के साथ कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान महिला मोर्चा द्वारा भाजपा स्थापना दिवस की बधाई हो एवं भारतीय जनता पार्टी

जिंदाबाद जैसे नारों के साथ उत्साह का वातावरण बनाया गया। साथ ही वाह रे म्हारा मोदीजी, काई रेल चलाई रे जैसे गीतों की प्रस्तुति से समां बांध दिया। महिला मोर्चा ने राखी राठौड़ के नेतृत्व में दीपोत्सव का आयोजन किया। इस अवसर पर भाजपा महामंत्री ब्रजेश सिंह बगडी, भूपेंद्र सैनी, कैलाश मेघवाल, प्रदेश मंत्री अपूर्वा सिंह, एकता अग्रवाल, भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी प्रमोद वरिष्ठ, भाजपा जयपुर जिलाध्यक्ष अमित गोयल, युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष शंकर गौरा, महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़, अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष हमीद खान मेवाती मौजूद थे।

हनुमान जन्मोत्सव शोभायात्रा में भक्ति, शक्ति और नारी नेतृत्व का अद्भुत संगम नजर आया



प्रांतीय गुर्जर गौड ब्राह्मण महिला सभा की ओर से हनुमान जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

जयपुर। शहर में हनुमान जन्मोत्सव पर भव्य शोभायात्रा का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, उल्लास एवं धार्मिक उत्साह के साथ किया गया। इस अवसर पर प्रांतीय गुर्जर गौड ब्राह्मण महिला सभा द्वारा सुसज्जित भव्य मंच आकर्षण का मुख्य केंद्र रहा। मंच को पारंपरिक एवं धार्मिक सजावट से अलंकृत किया गया, जहाँ महिलाओं ने सामूहिक रूप से आरती, भजन-कीर्तन एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भगवान हनुमान की भक्ति में अपनी श्रद्धा अर्पित की। इस आयोजन

ने नारी शक्ति, संगठन क्षमता और सामाजिक समर्पण का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। इस सफल आयोजन में प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. मीना गौतम के नेतृत्व में प्रांतीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष मीनाक्षी शर्मा, महामंत्री अनिता गौतम, सांस्कृतिक मंत्री डॉ. सीमा गौतम, प्रदेश संगठन मंत्री विमलेश शर्मा, जयपुर जिला अध्यक्ष वंदना शर्मा एवं सुनीता गौतम, प्रदेश महासचिव एडवोकेट मीनाक्षी गौतम, सांगानेर तहसील अध्यक्ष अंकिता गौतम, प्रदेश संयुक्त सचिव रुशेश गौतम, प्रदेश

मंत्री शशि शर्मा, सुधा तिवारी (जिला संरक्षक), जयपुर जिला उपाध्यक्ष शकुंतला शर्मा, संजु रानी जाजड़ा एवं ब्रह्मा देवी सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्यगण सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों के सामूहिक प्रयास से कार्यक्रम अत्यंत सफल एवं अनुकरणीय बना। उपस्थित जनसमूह ने महिला सभा के इस भव्य एवं सुसंगठित मंच की सराहना करते हुए इसे समाज में एकता, संस्कार और नारी सशक्तिकरण का प्रेरणास्रोत बताया।

'समाज के प्रत्येक वर्ग तक भाजपा की विचारधारा और सरकारी योजनाएं पहुंचाने में महिला मोर्चा अहम कड़ी'

जयपुर। भाजपा महिला मोर्चा की नवनिर्वाचित पदाधिकारियों की बैठक रविवार को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए मदन राठौड़ ने महिला कार्यकर्ताओं की भूमिका को संगठन की रीढ़ बताते हुए कहा कि महिला मोर्चा समाज के प्रत्येक वर्ग तक पार्टी की विचारधारा और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाने में महत्वपूर्ण कड़ी है।

- भाजपा प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ ने महिला कार्यकर्ताओं की भूमिका को संगठन की रीढ़ बताया
- भाजपा महिला मोर्चा प्रदेशभर में 'हर बूथ महिला मजबूत' संकल्प के साथ जमीनी स्तर पर कार्य करेगा : राखी राठौड़

राठौड़ ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाएं समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए बनाई गई हैं, लेकिन इन योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी संभव है जब उनकी जानकारी अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने महिला मोर्चा की पदाधिकारियों से आग्रह किया कि वे घर-घर जाकर महिलाओं को योजनाओं की जानकारी दें और उन्हें इनका लाभ लेने के लिए प्रेरित करें। साथ ही उन्होंने लाभान्वितों से संवाद स्थापित कर उनकी समस्याओं और सुझावों को भी संगठन तक पहुंचाने की बात कही।

कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महामंत्री भूपेंद्र सैनी एवं मोर्चा प्रभारी संतोष अहलावात ने भी महिला पदाधिकारियों को संगठन में जिले से लेकर बूथ स्तर तक मजबूती से कार्य करने की अपील की और 'हर बूथ महिला मजबूत' अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया।

महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष राखी राठौड़ ने कहा कि महिला मोर्चा प्रदेश भर में संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि महिला कार्यकर्ता समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की शक्ति रखती हैं

और वे सरकार की योजनाओं को महिलाओं तक पहुंचाने में अग्रणी भूमिका निभाएंगी। राठौड़ ने कहा कि 'हर बूथ महिला मजबूत' अभियान के तहत प्रत्येक बूथ पर महिला कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी, जिससे संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक मजबूती मिलेगी। उन्होंने कहा कि महिला मोर्चा का उद्देश्य केवल संगठन विस्तार नहीं बल्कि समाज में जागरूकता और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है।

इस दौरान सभी पदाधिकारियों ने मिलकर संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक प्रभावी बनाने तथा महिला सशक्तिकरण के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लिया। यह बैठक संगठनात्मक मजबूती, 'हर बूथ महिला मजबूत' अभियान के क्रियान्वयन और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तय करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुई। इस दौरान मोर्चा महामंत्री सुनीता व्यास, डॉ. अरुण सिहाग, डॉ. मूर्ति मीणा सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यालय में ध्वजारोहण व संगोष्ठी होगी

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के उपलक्ष में 6 अप्रैल सोमवार को प्रदेश स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। भाजपा प्रदेश महामंत्री ब्रजेश सिंह बगडी ने बताया कि प्रातः 7 बजे पार्टी कार्यालय में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित होगा। इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। बगडी ने बताया कि ध्वजारोहण के बाद प्रातः 10:30 बजे भाजपा प्रदेश कार्यालय में एक संगोष्ठी का आयोजन किया जाएगा। संगोष्ठी में प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, उप मुख्यमंत्री दीपा कुमारी और प्रेमचंद बैरवा, मंत्रिमंडल के सदस्य, विधायक, सांसद एवं पार्टी पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों एवं योगमात्य नारिकों का सम्मान भी किया जाएगा।

वामसी राम मोहन बुर्रा बने पावरग्रिड के सी.एम.डी.

जयपुर। वामसी राम मोहन बुर्रा ने पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) का पदभार ग्रहण किया है। इस पद पर पदोन्नति से पूर्व वह पावरग्रिड में निदेशक परियोजना के रूप में कार्यरत थे। एक कुशल इंजीनियरिंग पेशेवर के रूप में, वामसी इंजीनियरिंग में स्नातक हैं। उन्होंने प्लानिंग एवं प्रोजेक्ट मैनेजमेंट में पीजी डिप्लोमा के साथ-साथ मैनेजमेंट डवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एमडीआई), गुरुग्राम से प्रबंधन में पीजी डिप्लोमा प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त, उन्होंने हार्वर्ड मैनेजमेंट (एचएमएम) प्रोग्राम तथा इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस (आईएसबी), हैदराबाद में उन्नत प्रबंधन कार्यक्रमों के माध्यम से अपने नेतृत्व कौशल को और सुदृढ़ किया है। वामसी वर्ष 1993 में पावरग्रिड में शामिल किए गए एंजीक्यूटिव ट्रेनीज



के प्रथम बैच से संबंधित हैं, जो संगठन के नेतृत्व विकास में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है।

विद्युत परेषण और टेलीकॉम सेक्टर में 33 वर्षों से अधिक के समृद्ध और विविध अनुभव के साथ, वामसी ने पावरग्रिड में क्षेत्रीय और कॉर्पोरेट स्तर पर कई महत्वपूर्ण लीडरशिप, नीतिनिर्धारण और रणनीतिक भूमिकाएं निभाई हैं।

श्रीरामचंद्रजी मंदिर में गूंजे हनुमान चालीसा पाठ

जयपुर। चांदपोल स्थित श्री रामचंद्र जी मंदिर में श्रद्धा और भक्ति के साथ सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर एक स्वर में हनुमान चालीसा का पाठ किया। जिससे पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो उठा। संत अमरनाथ महाराज के सानिध्य में श्री हनुमान चालीसा प्रबंध समिति द्वारा हर घर में हो अर्थ सहित हनुमान चालीसा अभियान के तहत सैकड़ों श्रद्धालुओं को अर्थ सहित हनुमान

चालीसा की पुस्तकें भेंट की गईं। इसका उद्देश्य भक्तों को पाठ के साथ उसके गूढ़ अर्थ से भी अवगत कराना है। समिति के अनुसार अभियान को व्यापक स्तर पर पहुंचाने के लिए विभिन्न टीमों गठित की गई हैं, जो शहर के अलग-अलग धार्मिक स्थलों पर जाकर लगातार हनुमान चालीसा का वितरण कर रही हैं। इस पहल के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को धर्म, भक्ति और संस्कारों से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं को भन्दे बालाजी महाराज

का सिंदूर लगाया गया, जिसे भक्तों ने आस्था के साथ ग्रहण किया। मंदिर परिसर में गोस्वामी तुलसीदास के जयकारों से वातावरण गूंज उठा। जिससे आयोजन की भव्यता और बड़ गई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखने को मिला और सभी ने मिलकर भक्ति एवं एकता का संदेश दिया। कार्यक्रम में महेश बंब, सरदार राजन सिंह, रामस्वरूप यादव, अशोक कुमार विजयवर्गीय, पिंकी मुनीम, विजय, शैलेन्द्र यादव सहित अन्य श्रद्धालु एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

शेखावाटी का इतिहास पुनः जीवंत : झुंझुनूं में 1000 साल पुराना मंदिर अवशेष मिला

खेतड़ी के त्यौदा गांव में खुदाई के दौरान ऐतिहासिक संरचना, प्राचीन धार्मिक-सांस्कृतिक गतिविधियों के साक्ष्य मिले

झुंझुनूं/जयपुर (कासं)। राजस्थान के झुंझुनूं जिले में पुरातत्वविदों ने 1000 वर्ष पुराने मंदिर के अवशेष खोज निकाले हैं। खेतड़ी तहसील के त्यौदा गांव स्थित रीठा का टीला नामक स्थल पर चल रही खुदाई के दौरान यह महत्वपूर्ण खोज सामने आई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह खोज शेखावाटी क्षेत्र के प्रारंभिक मध्यकालीन इतिहास के कई अनसुलझे पहलुओं को स्पष्ट कर सकती है। राजस्थान पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग द्वारा जनवरी 2025 से इस स्थल पर उत्खनन कार्य किया जा रहा है। अब तक मिली संरचनाएं और अवशेष इस क्षेत्र में प्राचीन धार्मिक गतिविधियों और स्थायी बसावट के प्रमाण दे रहे हैं।

मंदिर संरचना और मूर्तियों के अवशेष मिले खुदाई के दौरान देवी लक्ष्मी और भगवान गणेश की मूर्तियों के खंडित अवशेष मिले हैं। इसके अलावा मिट्टी के बर्तन (पांटेरी) और टेराकोटा वस्तुएं भी विभिन्न परतों से प्राप्त हुई हैं, जो इस स्थल पर लंबे समय तक मानव निवास और धार्मिक गतिविधियों की पुष्टि करती हैं। पुरातत्व विभाग के अधिकारियों के अनुसार, यहां एक सुविकसित मंदिर परिसर के प्रमाण मिले हैं, जिसमें पत्थर से बनी संरचना, मुख्य द्वार, अर्धवृत्ताकार स्थापत्य अवशेष, स्तंभ आधार, दरवाजे के फ्रेम और सजावटी पत्थर के ब्लॉक शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थल प्रारंभिक मध्यकालीन काल से संबंधित है। उस समय राजस्थान में क्षेत्रीय राजवंशों का उदय हो रहा था और मंदिर निर्माण की परंपरा तेजी से विकसित हो रही थी। अब तक शेखावाटी क्षेत्र अपनी 18वीं-19वीं सदी की हवेलियों के लिए प्रसिद्ध रहा है, लेकिन उससे पहले के इतिहास के प्रमाण बहुत कम उपलब्ध थे। यह खोज उस खालीपन को भरने में अहम भूमिका निभा सकती है।

वैज्ञानिक परीक्षण और संरक्षण पर जोर निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने नमूनों को वैज्ञानिक जांच के लिए एकत्रित करने और स्थल के संरक्षण के निर्देश दिए हैं। इसके तहत केमिकल कंवर्जेशन, विस्तृत दस्तावेजीकरण, साइट मैपिंग और आर्टिफैक्ट्स की ड्राइंग तैयार की जा रही है। विशेषज्ञों की निगरानी में कार्य जारी वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में यह कार्य किया जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह खोज राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को समझने में मील का पत्थर साबित हो सकती है। यह खोज न केवल झुंझुनूं बल्कि पूरे शेखावाटी क्षेत्र के प्राचीन इतिहास को नई दिशा देने वाली है। आने वाले समय में इससे जुड़े और महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने की उम्मीद जताई जा रही है।

वैज्ञानिक परीक्षण और संरक्षण पर जोर निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने नमूनों को वैज्ञानिक जांच के लिए एकत्रित करने और स्थल के संरक्षण के निर्देश दिए हैं। इसके तहत केमिकल कंवर्जेशन, विस्तृत दस्तावेजीकरण, साइट मैपिंग और आर्टिफैक्ट्स की ड्राइंग तैयार की जा रही है। विशेषज्ञों की निगरानी में कार्य जारी वरिष्ठ अधिकारियों की देखरेख में यह कार्य किया जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह खोज राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत को समझने में मील का पत्थर साबित हो सकती है। यह खोज न केवल झुंझुनूं बल्कि पूरे शेखावाटी क्षेत्र के प्राचीन इतिहास को नई दिशा देने वाली है। आने वाले समय में इससे जुड़े और महत्वपूर्ण तथ्य सामने आने की उम्मीद जताई जा रही है।